

हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)
(बसंत)(पाठ 9)(सुंदरा रामस्वामी – टिकट अलबम)
(कक्षा 6)

प्रश्न अभ्यास

प्रश्न 1:

नागराजन ने अलबम के मुख्य पृष्ठ पर क्या लिखा और क्यों ? इसका असर कक्षा के दूसरे लड़के-लड़कियों पर क्या हुआ ?

उत्तर 1:

‘इस अलबम को चुराने वाला बेशर्म है। ऊपर लिखे नाम को कभी देखा है ? यह अलबम मेरा है। जब तक घास हरी है और कमल लाल, सूरज जब तक पूर्व से उगे और पश्चिम में छिपे, उस अनंत काल तक के लिए यह अलबम मेरा है, रहेगा।’ लड़कों ने इसे अपने अलबम में उतार लिया। लड़कियों ने झट कापियों और किताबों में टीप लिया।

प्रश्न 2:

नागराजन के अलबम के हिट हो जाने के बाद राजप्पा के मन की क्या दशा हुई ?

उत्तर 2:

नागराजन के अलबम के हिट हो जाने के बाद राजप्पा मन नहीं मन उससे जलने लगा । अब उसे अपना एलबम अच्छा नहीं लगता था उसे इकट्ठे किए गए टिकट अब बेकार लगने लगे थे । वह दिन भर अपना एलबम हाथ में लिए बैठा रहता था , उसका स्कूल जाने का मन भी नहीं होता था

प्रश्न 3:

अलबम चुराते समय राजप्पा किस मानसिक स्थिति से गुजर रहा था ?

उत्तर 3:

राजप्पा नागराजन की अनुपस्थिति में नागराजन के घर गया था उसने मेज की दराज खोलकर चाबी निकालकर अलबम को चुरा लिया और कमीज के नीचे खोंस लिया सीढ़ियाँ उतरकर घर की ओर भाग गया । घर जाकर उसने अलबम को पुस्तक की अलमारी के पीछे छुपा दिया ऐसा करते हुए उसका पूरा शरीर जैसे जलने लगा था । गला सूख रहा था और चेहरा तमतमाने लगा था ।

प्रश्न 4:

राजप्पा ने नागराजन का टिकट-अलबम अँगीठी में क्यों डाल दिया ?

उत्तर 4:

राजप्पा नागराजन का टिकट-अलबम अपने घर तो ले आया था मगर उसे हर समय डर लगा रहता था कि किसी को पता चल गया तो क्या होगा वह ऐसा सोच ही रहा था कि घर की कुण्डी बजी राजप्पा को लगा कि पुलिस आई है उसने डर के मारे तकिए के नीचे से अलबम उठाया जल्दी से बाथरूम में घुसकर दरवाजा बंद कर लिया । उसने अलबम को अँगीठी में डाल दिया । अलबम जलने लगा । प्यारे-प्यारे टिकट टिकट देखकर उसकी आँखों में आँसू आ गए । ।

हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)
(बसंत)(पाठ 9)(सुंदरा रामस्वामी – टिकट अलबम)
(कक्षा 6)

प्रश्न 5:

लेखक ने राजप्पा के टिकट इकट्ठा करने की तुलना मधुमक्खी से क्यों की ?

उत्तर 5:

जिस प्रकार मधुमक्खी शहद इकट्ठा करने के लिए फूलों पर मँडराती घूमती है ठीक उसी तरह राजप्पा भी टिकट लेने के लिए एक दोस्त से दूसरे दोस्त एक घर से दूसरे घर घूमता रहता था । आपस में टिकट भी बदलता था । उसके इसी प्रकार के व्यवहार को देखकर लेखक ने उसकी तुलना मधुमक्खी से की है ।